साँसों की माला | by Aarti Sharma

बाबा साँसों की माला अब है तेरे हवाले
तू चाहे तो तोड़ दे इसको तू चाहे तो बचाये
बाबा साँसों की माला.....

तूने ही तो इस माला में एक एक मनका पिरोया
उजड़े जीवन को बाबा हाथों से अपने संजोया
तेरे हाथों छोड़ दी डोरी तू ही इसे संभाले
बाबा साँसों की माला.....

साँसों की ये नैया बाबा चलती तेरे इशारे
जब तक तू है नाव का माझी मिलते रहेंगे किनारे
बिन पतवार के तू ही बाबा भव से नाव निकाले
बाबा साँसों की माला.....

साँसों का तो क्या है भरोसा कब आये कब जाए
तेरे भरोसे जीवन बाबा तू ही इसे बनाये
आरती शर्मा की साँसों में श्याम ही श्याम समाये
बाबा साँसों की माला.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b8%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-aarti-sharma/